धर्म-संस्कृति ज्ञान प्रश्नोतरी

1. सर्पों के समूल नाश के लिए किसने यज्ञ किया था?
(अ) तक्षक (ब) परीक्षित
(स) जनमेजय (द) महर्षि गौतम

2. राक्षस जाति किस ऋषि की सन्तान है?
(अ) शुक्राचार्य (ब) कश्यप
(स) अत्रि (द) ब्रह्माजी

3. होरा-रत्न, ज्योतिष ग्रन्थ के रचियता हैं?
(अ) महिधर (ब) मीनराज
(स)बलभद्र (द) जीवनाथ

4. निम्नलिखित में से किस राशि को साढेसाती प्रारम्भ होने वाली है?
(अ) तुला (ब) मेष
(स) सिंह (द) कर्क

5. अंक 2 वाले जातकों का मित्र अंक है?
(अ) सात (ब) नौ
(स) छह (द) तीन

6. दारिद्रय स्वरूपा देवी है?
(अ) तारा (ब) बगलामुखी
(स) धूमावती (द) मातंगी

7. ऋग्वेद में कितने मण्डल है?
(अ) 8 (ब) 9
(स) 10 (द) 15

8. पुरूषसूक्त के ऋषि कौन हैं?
(अ) नारद (ब) वशिष्ठ
(स) गौतम (द) नारायण

9. कालपुरूष के ह्रदय पर किस राशि का आधिपत्य है?
(अ) मेष (ब) मिथुन
(स) कर्क (द) वृषभ

10. पंचक का प्रारम्भ किस नक्षत्र से माना जाता है?
(अ) धनिष्ठा (ब) श्रवण
(स) रेवती (द) मूल

11. 'काव्यादर्श' ग्रन्थ की रचना किसने की?
(अ) दण्डी (ब) भवभूति
(स) माघ (द) बाणभट्ट

12. महाराणा प्रताप का जन्म किस राशि के लग्न में हुआ था?
(अ) मेष (ब) मकर
(स) कुम्भ (द) मीन

13. चन्द्रमा को वास्तुशास्त्र में किस दिशा का प्रतिनिधित्व माना जाता है?
(अ) आग्रेय (ब) ईशान
(स) नैर्ऋत्य (द) वायव्य

14. वास्तुशास्त्र के नियमों के अनुसार भवन का किस दिशा में बढ़ा होना शुभ माना जाता है?
(अ) ईशान (ब) पूर्व
(स) वायव्य (द) उत्तर

15. जातकालंकार नामक ज्योतिष ग्रन्थ के रचियता कौन थे?
(अ) दिवाकर भट्ट (ब) गणेश दैवज्ञ
(स) कालिदास (द) श्रीपति

16. लंका का निर्माण किसने किया था?
(अ) मब (ब) विश्वकर्मा
(स) कुबेर (द) सुमाली

17. कबीर ने अपना गुरू मंत्र किनके मुख से सुनकर ग्रहण किया?
(अ) स्वामी रामानन्द (ब) स्वामी रामानुज
(स) वल्लभाचार्य (द) आदि गुरू शंकराचार्य

18.छहमुखी रूद्राक्ष को किस देवता का स्वरूप माना जाता है?
(अ) भगवान् विष्णु (ब) कुमार कार्तिकेय
(स) भगवान् गणेश (द) हनुमान जी

19. 'हा' नामाक्षर की राशि है?
(अ) वृषभ (ब) सिंह
(स) मिथुन (द) कर्क

20. बारहमुखी रूद्राक्ष को किस ग्रह का कारक माना जाता है?
(अ) मंगल (ब) शुक्र
(स) शनि (द) सूर्य

21. जगन्नाथपुरी में भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके भाई और बहिन के विग्रह किससे निर्मित हैं?
(अ) स्वर्ण (ब) रजत
(स) अष्टधातु (द) काष्ठ

22. मुनि अगस्तय की जठाराग्रि में कौन-सा राक्षस जलकर राख हो गया था?
(अ) मय (ब) सुमाली
(स) इल्वल (द) वातापि

उत्तर :- 1.(स) 2.(ब) 3.(स) 4.(अ) 5.(ब) 6.(स) 7.(स) 8.(द) 9.(स) 10.(अ) 11.(अ) 12.(ब) 13.(स) 14.(अ) 15.(ब) 16.(ब) 17.(अ) 18.(ब) 19.(स) 20.(द) 21.(द) 22.(द)

क्यों हो खौफ?
क्यों हो बैचेनी?
क्यों बढ़े धड़कनें?
किसलिये है घबराहट?

उसने कहा, इसने कहा, जिस किसी ने जो कुछ भी कहा, आपने उसे माना

पर आखिर मिला क्या....? याद रखिये ...

एक सही परामर्श आपका भविष्य बदल सकता है

जन्म पत्रिका विश्लेषण

समय एक सा कभी नहीं रहता। ग्रह–नक्षत्र बदलते रहते है और परिस्थितियां भी। दशाएं अपना प्रभाव दर्शाती है तो आकाश में भ्रमण करने वाले ग्रह भी। जन्म कुण्डली एक स्थूल रुप है आपके जीवन का। समय–समय पर योग्य एवं विद्वान, अनुभवी ज्योतिषी की सलाह लेकर आप आने वाली कठिनाइयों, परेशानियों को पहले ही जानकार सावधान रह सकते है।

ज्योतिष के कई महायोग है जो व्यक्ति को जीवन की ऊँचाइयों पर पहुँचा देते है और कई दुर्योग भी है तो व्यक्ति की भरपूर मेहनत को सफल नहीं होने देते। समय पर उन्हीं का ज्ञान कर आप उचित उपाय कर सकते है जैसे रत्न धारण, ग्रहों का दान, यज्ञ, हवन, ग्रहों के मंत्र–स्तोत्र जाप, ग्रहों के यंत्र, कवच पाठ एवं कवच धारण आदि के द्वारा।

''भाग्य से अधिक और समय से पहले किसी को कुछ नहीं मिलता'' इस सिद्धान्त के सहारे जीवन को नर्क मत बनाइये। अपने जीवन को एक दर्पण की तरह देखिये ज्योतिष के माध्यम से। अपनी समस्याओं के समाधान को जानिये। समस्याओं से, अभावों से सदैव जूझते ही मत रहिये अपितु ज्योतिष द्वारा उनका समाधान पाइये। जीवन को सुखद एवं सफल बनाइयें। कोई भी ज्योतिषी भविष्यवाणी नहीं करता, बल्कि ग्रह स्वयं बोलते है, आवश्यकता है उनकी भाषा समझने की।

मंत्र–तंत्र–यंत्र भारत की प्राचीन विद्याएँ है जिन पर हमारे ऋषि–महर्षियों ने सैकड़ों वर्षो तक शोध किया और समस्याओं से मुक्ति के उपाय खोज निकालें। आज नौसिखिये ज्योतिषी या जो ज्योतिषी बनने का ढ़ोग करते है निःशुल्क फोन पर या टी.वी. चैनल पर या अन्य संचार माध्यमों से आपकी समस्याओं का तुरन्त उपाय बतला देते है और आपकी समस्याओं का हल नहीं निकलता उल्टे समय, श्रम और पैसा बर्बाद होता चला जाता है।

आप कौनसा व्यापार करें?किन शैयर्स में इन्वेस्ट करें?संतान को किस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहिये?मुकदमों का निपटारा कब होगा?सबसे अच्छा समय कब आयेगा?प्रतिकूल समय कब तक चलेगा? यह ऐसे प्रश्न है जिनके लिये योग्य ज्योतिषी को भी कुण्डली विश्लेषण में समय लगता है तो कोई व्यक्ति कैसे आपको एक या दो मिनिट में ही समस्या का समाधान बतला सकता है। आप स्वयं सोचिये और निर्णय कीजिये सही मार्गदर्शन पाने का। किसी का अधूरा ज्योतिष ज्ञान आपके लिये घातक हो सकता है। यदि आपने सही रत्न नहीं धारण किया है तो वह भी आपको जहर के बराबर असर कारक होगा क्योंकि रत्न अमृत भी है तो जहर भी।

परम पूज्य गुरुदेव पं. कमल राधाकृष्ण श्रीमालीजी के सर्वाधिक लोकप्रिय टी.वी. कार्यक्रमों में आप सभी ने देखा होगा ''जन्मपत्रिका विश्लेषण''। जिसमें श्रीमालीजी देश–विदेश के समस्या ग्रस्त व्यक्तियों की कुण्डलियों का किस प्रकार विश्लेषण करते है। इस कार्यक्रम को देखकर हर व्यक्ति चाहता है कि उनकी समस्याओं का समाधान श्रीमालीजी स्वयं करें। जो श्रीमालीजी से सीधे नहीं मिल पाते हैं वे अपनी समस्याओं का समाधान सीधे घर बैठे भी प्राप्त कर सकते है।

जन्म पत्रिका विश्लेषण के लिये आपको क्या करना है-

आप अपनी समस्याओं के समाधान के लिये अपनी जन्म पत्रिका की फोटो कॉपी के साथ रू. 1500 का डिमान्ड-ड्राफ्ट/चैक पं. कमल श्रीमालीजी (Payable at Jodhpur) के नाम प्रेषित करें। आपका पत्र,, डी.डी. एवं साफ-साफ अक्षरों में लिखें 5.6 प्रश्नों का उत्तर आपके पते पर, फैक्स या ईमेल के माध्यम से शीघ्र से शीघ्र देने का प्रयास किया जायेगा।

सम्पर्क करें

विश्व तंत्र ज्योतिष

प्लॉट नं.–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर–342001 (राज.)

फोन : 0291–2621625, 2615625, 2440111/999

टेलीफैक्स : 0291–2618625

Email : tantravtj@gmail.com, Visit us : www.kamalshrimali.com Vishwa Tantra Jyotish Whats App. No.- 7073812210

खेल ग्रहों का, भविष्य आपका क्योंकि मनुष्य ग्रहों द्वारा नियंत्रित है, कोई उन्हें चुनौती देने का साहस नहीं कर सकता।